सम्पादकीय

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की की वार्षिक हिंदी पत्रिका 'प्रवाहिनी' का 17वाँ अंक पाठकों के समक्ष प्रस्तुत है । प्रस्तुत पत्रिका में वैज्ञानिक, तकनीकी, इंजीनियरी, साहित्य एवं कला विषयक लेखों को स्थान दिया गया है तथा कोशिश की गई है कि इन लेखों की भाषा सरल, सहज एवं बोधगम्य हो जिससे हर वर्ग के पाठक को इसका लाभ मिल सके ।

इस पत्रिका में संस्थान तथा संस्थानेतर रचनाकारों ने अपने लेख देकर राजभाषा हिंदी का मान एवं गौरव बढ़ाया है तथा हमें इस पत्रिका का प्रारूप तैयार करने और इसे आप समस्त सुधी पाठकों के समक्ष लाने की प्रेरणा दी है । हम इन सभी रचनाकारों का आभार प्रकट करते हैं ।

आशा है पत्रिका का यह अंक सभी पाठकों को उपयोगी लगेगा । पाठकों की प्रतिक्रियाओं की हमें प्रतीक्षा रहेगी ।

(सम्पादक मंडल)